सूर्यमुखीः

5 टन कम्पोस्ट खाद / गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर

संकुल : 60:80:40 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजनःस्फुरःपोटाश

संकर : 80:90:40 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजनःस्फुरःपोटाश

कम्पोस्ट अथवा गोबर की खाद बुआई से 20–30 दिन पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें । सिंचित अवस्था में नेत्रजन की आधी मात्रा एवं स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें । नेत्रजन की शेष आधी मात्रा को दो बराबर भागों में बाँट पहली सिंचाई के बाद एवं फूल लगने के समय उपरिवेशन करें । स्फुर की पूर्ति सल्फर युक्त उर्वरक से करें । असिंचित अवस्था में नेत्रजन, स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें ।

रबी तेलहनी फसलों में पोषक तत्व का प्रयोग मिट्टी जाँच के आधार पर संतुलित उर्वरक की अनुशंसा की जाती है, इसके आधार पर करना चाहिए । मिट्टी की जाँच के लिए जिले में स्थापित मिट्टी जाँच प्रयोगशाला अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुई स्थित मिट्टी जाँच प्रयोगशाला में करायी जा सकती है। कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुई मिट्टी जाँच के बाद किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करवाता है । मृदा स्वास्थ्य कार्ड में लक्षित उत्पादन के आधार पर उर्वरक की अनुशंसा की जाती है ।

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुई

(बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार)

संपर्कः–8292847891

प्रसार शिक्षा निदेशालय

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,

पटना (बिहार)

संपर्कः–9430602962

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

BIHAR ANIMAL SCIENCES UNIVERSITY

भाकृअनुप ICAR

रबी तेलहनी फसलों में पोषक तत्व प्रबन्धन

ब्रजेश कुमार

विषय वस्तु विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान), कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुई

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना

रबी तेलहनी फसलों में पोषक तत्व प्रबन्धन

तोरी :

4–6 टन कम्पोस्ट खाद अथवा गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर बुआई से 20–30 दिन पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें । नेत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की मात्रा में नेत्रजन 60 किलो ग्राम, स्फुर 40 कि0ग्रा0 एवं पोटाश 40 कि0ग्रा0 / हे0 की दर से प्रयोग करें । बुआई के समय नेत्रजन 30 कि0ग्रा0, स्फुर 40 कि0ग्रा0 तथा पोटाश 40 कि0ग्रा0 / हे0 की दर से मिट्टी में अन्तिम जुताई के समय मिला दें । शेष 30 कि0ग्रा0 नेत्रजन फसल में फूल लगने के समय उपनिवेशन करें । जिंक की कमी वाले खेत में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट (21%) खेत की तैयारी के समय डालें ।

पीली सरसों:

8–10 टन कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर बुआई से 20–30 दिन पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें । सिंचित अवस्था में नेत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की मात्रा में नेत्रजन 80 कि0ग्रा0, स्फुर 40 कि0ग्रा0 एवं पोटाश 40 कि0ग्रा0 / हे0 की दर से प्रयोग करें । बुआई के समय नेत्रजन 40 कि0ग्रा0, स्फुर 40 कि0ग्रा0 तथा पोटाश 40 कि0ग्रा0 / हे0 की दर से मिट्टी में अन्तिम जुताई के समय मिला दें । शेष 40 कि0ग्रा0 नेत्रजन फूल लगने के समय उपरिवेशन करें । असिंचित अवस्था में 40 कि0ग्रा0 नेत्रजन, 20 कि0ग्रा0 स्फुर एवं 20 कि0ग्रा0 पोटाश का प्रयोग करें । नेत्रजन की आधी मात्रा एवं स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय डालें । नेत्रजन की शेष आधी मात्रा फूल लगने के समय उपरिवेशन करें । जिंक की कमी वाले खेत में प्रति हे0 25 कि0ग्रा0 जिंक सल्फेट (21%) खेत की तैयारी के समय डालें ।

राई :

8–10 टन कम्पोस्ट अथवा गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर ।

सिंचित – 80:40:40 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजन : स्फुर एवं पोटाश ।

असिंचित – 40:20:20 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजन : स्फुर एवं पोटाश ।

कम्पोस्ट खाद को बुआई से 20–30 दिन पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें । सिंचित अवस्था में नेत्रजन की आधी मात्रा एवं स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें । नेत्रजन की शेष आधी मात्रा फूल लगने के समय उपरिवेशन करें । असिंचित अवस्था में नेत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें । जिंक की कमी वाले खेत में प्रति हेक्टेयर 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट (21%) खेत की तैयारी के समय डालें ।

तीसी:

5–6 टन कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर

सिंचित – 80:30:20 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजनःस्फुरःपोटाश

असिंचित – 50:30:20 कि0ग्रा0 / हे0 नेत्रजनःस्फुरःपोटाश

कम्पोस्ट खाद को बुआई से 20–30 दिन पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह मिला दें । सिंचित अवस्था में नेत्रजन की आधी मात्रा एवं स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें । नेत्रजन की शेष आधी मात्रा को फूल लगने के समय उपरिवेशन करें । असिंचित अवस्था में नेत्रजन, स्फुर तथा पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय प्रयोग करें ।